पाठ—4

विशेषण-निर्माण

'क' भाग	'ख' भाग
(i) इस कविता में **कल्पना** की प्रधानता है।	यह कविता **काल्पनिक** है।
(ii) **आप** बहुत अच्छे हो।	**आप जैसा** अच्छा व्यक्ति कहाँ मिलेगा।
(iii) सुधाकर मुझसे **लड़ता** रहता है।	**लड़ाकू** को कोई पसन्द नहीं करता।
(iv) वह घर के **बाहर** है।	**बाहरी** व्यक्ति आसानी से पहचाना गया।

अब हम देखते हैं कि विशेषण शब्दों का निर्माण कैसे होता है :

उपर्युक्त पहले वाक्य में 'कल्पना' संज्ञा शब्द के अंतिम स्वर 'आ' के स्थान पर 'इक' प्रत्यय लगाने से तथा आदि स्वर 'अ' को 'आ' करने से विशेषण शब्द बना– काल्पनिक। अर्थात

कल्पना
↓
कल्पन् (अंतिम स्वर 'आ' का लोप)
↓
काल्पन् [आदि स्वर वृद्धि अर्थात 'अ' को 'आ' ('क' को 'का' हो गया)]
↓
काल्पनिक ('इक' प्रत्यय के प्रयोग से विशेषण शब्द निर्माण)

दूसरे वाक्य में 'आप' (सर्वनाम) शब्द में 'जैसा' प्रत्यय लगाने से 'आप जैसा' विशेषण शब्द बना। अर्थात

आप
↓
आप जैसा ('जैसा' प्रत्यय के प्रयोग से विशेषण शब्द निर्माण)

तीसरे वाक्य में 'लड़ता' अर्थात 'लड़ना' क्रिया के अंतिम 'ना' को हटाकर शेष बचे हुए शब्द के अंतिम स्वर 'अ' के स्थान पर 'आकू' प्रत्यय लगाकर 'लड़ाकू' विशेषण शब्द बना। अर्थात

लड़ना

↓

लड़् ('ना' एवं अंतिम स्वर 'अ' का लोप)

↓

लड़ाकू ('आकू' प्रत्यय के प्रयोग से विशेषण शब्द निर्माण)

चौथे वाक्य में 'बाहर' (अव्यय) शब्द के अंतिम स्वर के स्थान पर 'ई' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्द बना-'बाहरी'। अर्थात

बाहर

↓

बाहर् (अंतिम स्वर 'अ' का लोप)

↓

बाहरी ('ई' प्रत्यय के प्रयोग से विशेषण शब्द निर्माण)

हिंदी में कुछ शब्द तो मूल रूप से विशेषण ही होते हैं। जैसे-अच्छा, बुरा, निपुण, लाल, पीला, वीर, विद्वान, मज़बूत, पुराना, नया, कोमल, कठोर आदि। परन्तु कुछ विशेषणों का निर्माण संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया तथा अव्यय शब्दों में 'इक', 'जैसा', 'आकू', 'ई' आदि प्रत्यय लगाकर और आवश्यक परिवर्तन करके किया जाता है।

(क) संज्ञा शब्दों से विशेषण-निर्माण

(1) 'अक' प्रत्यय लगाकर बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों के अंतिम स्वर के स्थान पर '**अक**' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	प्रत्यय	विशेषण
उपदेश	**'अक'**	उपदेशक
उपकार	,,	उपकारक
नाम	,,	नामक
लेख	,,	लेखक

विशेष- (i) कुछ शब्दों के अंतिम वर्ण को हटाकर शेष बचे हुए शब्द के अंतिम स्वर के स्थान पर 'अक' प्रत्यय लगाने से विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-पालन-पालक, पोषण-पोषक, शासन-शासक।

(ii) कुछ संज्ञा शब्दों के अंत में लगे 'ना' को हटाकर तथा शेष बचे हुए अंतिम स्वर के स्थान पर 'अक' प्रत्यय लगाने से विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे–गणना–गणक।

(iii) कुछ शब्दों के अंत में यदि 'आ' स्वर हो तो उसके स्थान पर 'अक' प्रत्यय लगने पर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे–निन्दा–निन्दक।

(iv) कुछ शब्दों में अंतिम स्वर के स्थान पर 'अक' प्रत्यय लगने तथा आदि स्वर में वृद्धि होने से विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे–अवश्य–आवश्यक।

(2) 'इक' प्रत्यय लगाकर बनने वाले विशेषण

कुछ शब्दों में अंतिम स्वर के स्थान पर 'इक' प्रत्यय लगने पर आदि स्वर 'अ' को 'आ' हो जाता है। जैसे–

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
अंग	आंगिक	दर्शन	दार्शनिक
अर्थ	आर्थिक	धर्म	धार्मिक
कल्पना	काल्पनिक	प्रकृति	प्राकृतिक
चरित्र	चारित्रिक	संसार	सांसारिक
परिवार	पारिवारिक	समाज	सामाजिक
वर्ष	वार्षिक	संस्कृत	सांस्कृतिक

कुछ शब्दों में अंतिम स्वर के स्थान पर 'इक' प्रत्यय लगने पर आदि स्वर 'इ', 'ई', 'ए' को 'ऐ' हो जाता है। जैसे–

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
इच्छा	ऐच्छिक	दिन	दैनिक
नीति	नैतिक	विज्ञान	वैज्ञानिक
इतिहास	ऐतिहासिक	विवाह	वैवाहिक
सिद्धांत	सैद्धांतिक	देह	दैहिक

कुछ शब्दों में अंतिम स्वर के स्थान पर 'इक' प्रत्यय लगने पर आदि स्वर 'उ', 'ऊ', 'ओ' को 'औ' हो जाता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
उपचार	औपचारिक	भूगोल	भौगोलिक
उद्योग	औद्योगिक	मुख	मौखिक
पुष्टि	पौष्टिक	योग	यौगिक

विशेष— (i) **अपवाद**-कुछ शब्दों में 'इक' प्रत्यय होने पर पहले स्वर को आदि वृद्धि नहीं होती। जैसे-वर्ण-वर्णिक, क्रम-क्रमिक, श्रम-श्रमिक, प्रशासन-प्रशासनिक आदि।

(ii) कुछ ऐसे भी शब्द हैं जिनका पहला अक्षर दीर्घ ही होता है। उनमें भी 'इक' प्रत्यय लगता है। जैसे-आत्मा-आत्मिक, व्यापार-व्यापारिक, राजनीति-राजनीतिक, साहित्य-साहित्यिक।

(3) 'इत' प्रत्यय लगाकर बनने वाले विशेषण

कुछ शब्दों में अंतिम स्वर के स्थान पर 'इत' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है -

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
अंक	अंकित	चित्र	चित्रित
अंकुर	अंकुरित	प्रस्ताव	प्रस्तावित
अपमान	अपमानित	मोह	मोहित
अपेक्षा	अपेक्षित	चिन्ता	चिन्तित
उपेक्षा	उपेक्षित	पीड़ा	पीड़ित
घृणा	घृणित	मूर्च्छा	मूर्च्छित

विशेष : कुछ संज्ञा शब्दों के अंत में 'य' वर्ण होता है, वहाँ 'इत' प्रत्यय लगने पर 'य' का लोप होकर शेष बचे हुए शब्द के अंतिम स्वर के स्थान पर 'इत' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
पराजय	पराजित	संचय	संचित
विजय	विजित		

(4) 'ईय' प्रत्यय लगाकर बनने वाले विशेषण

कुछ संस्कृत के तत्सम शब्दों के अंतिम स्वर के स्थान पर मुख्यत: 'ईय' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
क्षेत्र	क्षेत्रीय	पुस्तक	पुस्तकीय
दर्शन	दर्शनीय	भारत	भारतीय
नाटक	नाटकीय	मानव	मानवीय
पर्वत	पर्वतीय	स्थान	स्थानीय

(5) 'य' प्रत्यय लगाकर बनने वाले विशेषण

'य' प्रत्यय लगने पर कुछ संज्ञा शब्दों के अंतिम स्वर का लोप हो जाता है अर्थात शेष बचे हुए अंतिम वर्ण को हलन्त होकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
क्षमा	क्षम्य	मान	मान्य
पाठ	पाठ्य	वन	वन्य
पूजा	पूज्य	सभा	सभ्य

(6) 'ई' प्रत्यय लगाकर बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों में अंतिम स्वर के स्थान पर 'ई' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
अज्ञान	अज्ञानी	अन्याय	अन्यायी
अनुभव	अनुभवी	प्रेम	प्रेमी
उपयोग	उपयोगी	पश्चिम	पश्चिमी
क्रोध	क्रोधी	दु:ख	दु:खी
जंगल	जंगली	शहर	शहरी

(7) 'ईला' प्रत्यय से बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों में अंतिम स्वर के स्थान पर 'ईला' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
खर्च	खर्चीला	जोश	जोशीला
चमक	चमकीला	बर्फ	बर्फीला
ज़हर	ज़हरीला	रंग	रंगीला

(8) 'मान' प्रत्यय से बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों में 'मान' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
बुद्धि	बुद्धिमान	श्री	श्रीमान
शक्ति	शक्तिमान	प्रकाश	प्रकाशमान

(9) 'वान' प्रत्यय से बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों में 'वान' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
गुण	गुणवान	नाश	नाशवान
धन	धनवान	रूप	रूपवान

(10) 'वी' प्रत्यय से बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों में 'वी' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
ओजस्	ओजस्वी	तेजस्	तेजस्वी
तपस्	तपस्वी	मनस्	मनस्वी

(11) 'शाली' प्रत्यय से बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों में 'शाली' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
गौरव	गौरवशाली	बल	बलशाली
प्रतिभा	प्रतिभाशाली	भाग्य	भाग्यशाली

(12) 'आलु' प्रत्यय से बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों में अंतिम स्वर के स्थान पर 'आलु' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
ईर्ष्या	ईर्ष्यालु	दया	दयालु
कृपा	कृपालु	श्रद्धा	श्रद्धालु

(13) 'वती' प्रत्यय से बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों में 'वती' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
गुण	गुणवती	रूप	रूपवती
पुत्र	पुत्रवती	बल	बलवती

(14) 'निष्ठ' प्रत्यय से बनने वाले विशेषण

कुछ संज्ञा शब्दों में 'निष्ठ' प्रत्यय लगाकर विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
कर्म	कर्मनिष्ठ	धर्म	धर्मनिष्ठ
कर्त्तव्य	कर्त्तव्यनिष्ठ	सत्य	सत्यनिष्ठ

विशेष— इन संज्ञा शब्दों के साथ 'परायण' लगाने से भी विशेषण शब्दों का निर्माण होता है। जैसे-कर्म-परायण, कर्त्तव्य परायण, धर्म परायण, सत्यपरायण।